श्री भास्कर स्तोत्रं

श्री भास्कर स्तोत्रं

(अथ पौराणिकैः श्लोकै राष्ट्रै द्वादशाभिः शुभैः |
प्रणमेद्दंडवद्भानुं साष्टांगं भक्तिसंयुतः | |)

हंसाय भुवनध्वांतध्वंसायाऽमिततेजसे |
हंसवाहनरूपाय भास्कराय नमो नमः | | 1 | |

वेदांगाय पतंगाय विहंगारूढगामिने |
हरिद्वर्णतुरंगाय भास्कराय नमो नमः | | 2 | |

भुवनत्रयदीप्ताय भुक्तिमुक्तिप्रदाय च |
भक्तदारिद्र्यनाशाय भास्कराय नमो नमः | | 3 | |

लोकालोकप्रकाशाय सर्वलोकैकचक्षुषे |
लोकोत्तरचरित्राय भास्कराय नमो नमः | | 4 | |

सप्तलोकप्रकाशाय सप्तसप्तिरथाय च |
सप्तद्वीपप्रकाशाय भास्कराय नमो नमः | | 5 | |

मार्तांडाय द्युमणये भानवे चित्रभानवे |
प्रभाकराय मित्राय भास्कराय नमो नमः | | 6 | |

नमस्ते कमलानाथ नमस्ते कमलप्रिय |
नमः कमलहस्ताय भास्कराय नमो नमः | | 7 | |

नमस्ते ब्रह्मरूपाय नमस्ते विष्णुरूपिणे |
नमस्ते रुद्ररूपाय भास्कराय नमो नमः | | 8 | |

सत्यज्ञानस्वरूपाय सहस्रकिरणाय च |
गीर्वाणभीतिनाशाय भास्कराय नमो नमः | | 9 | |

सर्वदुःखोपशांताय सर्वपापहराय च |
सर्वव्याधिविनाशाय भास्कराय नमो नमः | | 10 | |

सहस्रपत्रनेत्राय सहस्राक्षस्तुताय च |
सहस्रनामधेयाय भास्कराय नमो नमः || 11 ||

नित्याय निरवद्याय निर्मलज्ञानमूर्तये |
निगमार्थप्रकाशाय भास्कराय नमो नमः || 12 ||

आदिमध्यांतशून्याय वेदवेदांतवेदिने |
नादबिंदुस्वरूपाय भास्कराय नमो नमः || 13 ||

निर्मलज्ञानरूपाय रम्यतेजः स्वरूपिणे |
ब्रह्मतेजः स्वरूपाय भास्कराय नमो नमः || 14 ||

नित्यज्ञानाय नित्याय निर्मलज्ञानमूर्तये |
निगमार्थस्वरूपाय भास्कराय नमो नमः || 15 ||

कुष्ठव्याधिविनाशाय दुष्टव्याधिहराय च |
इष्टार्थदायिने तस्मै भास्कराय नमो नमः || 16 ||

भवरोगैकवैद्याय सर्वरोगापहारिणे |
एकनेत्रस्वरूपाय भास्कराय नमो नमः || 17 ||

दारिद्र्यदोषनाशाय घोरपापहराय च |
दुष्टशिक्षणधुर्याय भास्कराय नमो नमः || 18 ||

होमानुष्ठानरूपेण कालमृत्युहराय च |
हिरण्यवर्णदेहाय भास्कराय नमो नमः || 19 ||

सर्वसंपत्प्रदात्रे च सर्वदुःखविनाशिने |
सर्वोपद्रवनाशाय भास्कराय नमो नमः || 20 ||

नमो धर्मनिधानाय नमः सुकृतसाक्षिणे |
नमः प्रत्यक्षरूपाय भास्कराय नमो नमः || 21 ||

सर्वलोकैकपूर्णाय कालकर्माघहारिणे |
नमः पुण्यस्वरूपाय भास्कराय नमो नमः || 22 ||

द्वंद्वव्याधिविनाशाय सर्वदुःखविनाशिने |
नमस्तापत्रयघ्नाय भास्कराय नमो नमः || 23 ||

कालरूपाय कळ्याणमूर्तये कारणाय च |
अविद्याभयसंहर्त्रे भास्कराय नमो नमः || 24 ||

इति भास्कर स्तोत्रं ||